भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1289

उत्तर देने की तारीख : 25 नवम्बर, 2019

यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क के सदस्य

1289. श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक :
श्री बेल्लाना चन्द्रशेखर :
श्री अदला प्रभाकर रेड्डी :
डॉ. जी. रणजीत रेड्डी :
श्री प्रतापराव जाधव :
श्री सुधीर गुप्ता :
श्री गजानन कीर्तिकर :
श्री बिद्युत बरन महतो :

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 'यूनेस्को' ने हाल ही में मुंबई को सिनेमा के क्षेत्र में और हैदराबाद को उत्तम भोजन के क्षेत्र में यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (यूसीसीएन) के सदस्य के रूप में मान्यता दी है;

(ख) क्या यह कदम नवाचारी सोच और क्रियाकलापों के माध्यम से संवहनीय विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्ति की ओर लक्षित है और सरकार द्वारा और अन्य शहरों को क्रिएटिव उत्तम खान-पान की कोटि में सम्मिलित करवाने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विभिन्न शहरों को ऐसी अनूठी मान्यता प्रदान करने के पीछे का लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(घ) शहरों को ऐसी अनूठी पहचान प्रदान करने के लिए क्या मापदंड अपनाए गए हैं;

(ङ) क्या यूसीसीएन द्वारा देश के कुछ अन्य शहरों को भी उक्त सूची में शामिल किया जा चुका है और यदि हां, तो तत्संबंधी शहर-वार ब्यौरा क्या है और उन्हें किस-किस क्षेत्र में ऐसी पहचान मिली है; और

(च) क्या अन्य कुछ और भारतीय राज्यों को भी यूसीसीएन के अंतर्गत शामिल किए जाने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(क) : जी, हां। यूनेस्को सृजनात्मक शहर नेटवर्क के अंतर्गत दिनांक 31 अक्टूबर, 2019 को मुंबई को फिल्म के सृजनात्मक शहर के रूप में नामित किया गया था और हैदराबाद को पाक-कला के सृजनात्मक शहर के रूप में नामित किया गया था।

(ख) और (ग) : जी, हां। यह नवाचारी सोच और क्रियाकलापों के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति की ओर भी लक्षित है। नामित शहर स्थानीय तथा अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर सतत विकास के लिए सृजनात्मकता को प्रेरक बल रूप में प्रयोग करके अपनी कार्यनीतियों और योजना का विवरण देते हुए विस्तृत प्रस्ताव और पहलें प्रस्तुत करते हैं।

इन पहलों का उद्देश्य राज्य दलों, नागरिक समाज, व्यावसायिक संघों और सांस्कृतिक संस्थानों को शामिल करते हुए विभिन्न सृजनात्मक क्षेत्रों के बीच तालमेल बनाना है। इनका उद्देश्य मुख्य रूप से आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के बीच महत्वपूर्ण संबंध स्थापित करना है ताकि सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके।

यूनेस्को नामांकन, नेटवर्क के उद्देश्यों को लागू करने के लिए कार्यनीति की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और व्यवहार्यता की पहचान तथा आवेदन में दी गई प्रस्तावित कार्य योजना को दर्शाता है जिन्हें इसके यूसीसीएन मिशन ब्यौरे में निर्धारित किया गया है। जो शहर सदस्य बनते हैं, वे सतत और समावेशी शहरी विकास के महत्व को पहचानते हैं और इसलिए सतत विकास हेतु संस्कृति और सृजनात्मकता की भूमिका को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं।

(घ) : नामांकन के मानंदड हैं कि शहरों को यूसीसीएन द्वारा निर्धारित सात सृजनात्मक क्षेत्रों यथा : शिल्प और लोक कला, डिजाइन, फिल्म, पाक-कला, साहित्य, मीडिया कलाएं और संगीत में से एक या कुछ क्षेत्रों का प्रतिनिधि होना चाहिए।

(ड.) : यूसीसीएन की सूची में तीन शहरों को पहले ही शामिल किया गया है; वर्ष 2015 में वाराणसी को संगीत के सृजनात्मक शहर के रूप में नामित किया गया, वर्ष 2015 में जयपुर को शिल्प और लोक कलाओं के सृजनात्मक शहर के रूप में नामित किया गया और वर्ष 2017 में चेन्नई को संगीत के सृजनात्मक शहर के रूप में नामित किया गया।

(च) : कोच्ची शहर ने पाक-कला के सृजनात्मक शहर के लिए नामांकन डोजियर तैयार किया है। इसे आवेदनों की अगली श्रृंखला में नामांकन हेतु भेजा जाएगा।